ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 13 अंक 41 कुल पृष्ठ-8 7 से 13 जून, 2018 दयानन्दाब्द 194 सृष्टि सम्वत् 1960853119 सम्वत् 2075 आ.कृ.-11

हरिद्वार चलो! हरिद्वार चलो!!

शिक्षा पद्धति में परिवर्तन की मांग, युवाओं को भारतीय संस्कृति से अवगत कराना तथा गुरुकुलों को आधुनिक विषयों के साथ समृद्ध करने हेतु

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन का आयोजन

आयुर्वेद के पुनर्स्थापक आचार्य बालकृष्ण जी होंगे प्रमुख अतिथि

आचार्य बालकृष्ण
प्रमुख अतिथि

स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती
अध्यक्ष गुरुकुल महासम्मेलन

गंगा प्रसाद
महामहिम राज्यपाल–मेघालय

यत्र विश्वम् भवत्येकनीडम्

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन
गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार

शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार 6, 7, 8 जुलाई, 2018

स्वामी आर्यवेश
सभा प्रधान

पं. माया प्रकाश त्यागी
कोषाध्यक्ष

प्रो. विट्ठलराव आर्य
सभा मंत्री/संयोजक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

'महर्षि दयानन्द भवन' 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

दूरभाष : 011–23274771, 23260985, 9013783101, 9849560691, 9354840454, 8218863689

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

हरिद्वार चलो! चलो हरिद्वार!! हरिद्वार चलो!!!

आर्ष शिक्षा प्रणाली को पुनर्स्थापित करने के लिए

गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार के परिसर में आयोजित होने वाले

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में हजारों की संख्या में पहुँचे

शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार 6, 7, 8 जुलाई, 2018

देश–विदेश के समस्त आर्यजनों से अपील

आर्य बन्धुओं! आपको विदित है कि सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन 6, 7 व 8 जुलाई, 2018 की तिथियों में विशाल स्तर पर हरिद्वार के गुरुकुल कांगड़ी परिसर में आयोजित किया जा रहा है। यह सम्मेलन लगभग एक दर्जन गुरुकुलों के संचालक एवं आर्ष शिक्षा पद्धति को समर्पित श्रद्धेय स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी की अध्यक्षता में आयोजित होगा। इस सम्मेलन में देश–विदेश से हजारों की संख्या में आर्यजन एवं गुरुकुलों के छात्र–छात्राएँ भाग लेने के लिए पहुँच रहे हैं। यह महासम्मेलन आर्य समाज एवं गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के इतिहास में पहला सम्मेलन होगा जिसके माध्यम से आर्ष शिक्षा प्रणाली को पुनर्स्थापित करने और इसे और अधिक प्रभावी बनाने तथा सरकार से विशेष सहयोग प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

1. गुरुकुल महासम्मेलन में अपनी व अपने आस–पास की आर्य समाजों को तथा आर्य बन्धुओं को सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सम्पर्क कर प्रेरित करें जिससे अधिक से अधिक आर्यजन इस ऐतिहासिक गुरुकुल महासम्मेलन में भाग लें।
2. अपने प्रान्त के समस्त गुरुकुलों के प्रबन्धकों एवं आचार्यों से भी सम्पर्क कर इस ऐतिहासिक गुरुकुल महासम्मेलन में अधिक से अधिक छात्र–छात्राओं के साथ भाग लेने की तैयारी करवायें। ।
3. अपनी सभा से सम्बन्धित पत्र/पत्रिका में सम्मेलन होने तक निरन्तर इस गुरुकुल महासम्मेलन से सम्बन्धित समाचार प्रकाशित करवाने का कष्ट करें जिससे अधिकाधिक लोग सम्मेलन में भाग लेने के लिए प्रेरित हो सकें।

आशा है सम्मेलन को सफल बनाने के लिए उपरोक्त बिन्दुओं से सम्बन्धित त्वरित कार्यवाही करते हुए आप अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। ऐतिहासिक गुरुकुल महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए आर्य बन्धुओं, दानदाताओं, आर्य समाजों व प्रान्तीय सभाओं से विशेष निवेदन है कि तन–मन–धन से सहयोग करें। कृपया दूरभाष द्वारा समय–समय पर सम्पर्क करके अपने कार्यों की प्रगति की सूचना देते रहें। सम्मेलन परिसर में सभी आगन्तुक महानुभावों के लिए आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

निवेदक

स्वामी आर्यवेश
सभा प्रधान

पं. माया प्रकाश त्यागी
कोषाध्यक्ष

प्रो. विट्ठलराव आर्य
सभा मंत्री/संयोजक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

'महर्षि दयानन्द भवन' 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

दूरभाष : 011–23274771, 23260985, 9013783101, 9849560691, 9354840454, 8218863689

सम्मेलन हेतु दान एकत्रित करने के लिए कूपन उपलब्ध

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन को सफल बनाने हेतु समस्त दानी महानुभावों से निवेदन है कि वे मुक्त हस्त से सम्मेलन हेतु सहयोग प्रदान करें। दान एकत्रित करने के लिए सभा कार्यालय में विभिन्न राशियों के कूपन उपलब्ध हैं। जो महानुभाव कूपन लेना चाहें वे सार्वदेशिक सभा कार्यालय से अविलम्ब सम्पर्क स्थापित करें।

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन हरिद्वार

दिनांक–6 से 8 जुलाई, 2018 के सम्बन्ध में

आवश्यक सूचनाएँ

आप अपने आने की सूचना अग्रिम दें

जो महानुभाव तथा जो गुरुकुल इस महासम्मेलन में आना चाहते हैं उनसे प्रार्थना है कि वे अग्रिम रूप से अपने आने की सूचना सार्वदेशिक सभा के कार्यालय ''दयानन्द भवन'' 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2 में अविलम्ब देने की कृपा करें। ताकि आपके आवास तथा भोजन आदि की समुचित व्यवस्था की जा सके।

देश–विदेश के सभी गुरुकुल महासम्मेलन में सम्मिलित होने के लिए तैयारी करें

देश–विदेश में चल रहे छात्र एवं छात्राओं के समस्त गुरुकुलों के आचार्यों, आचार्याओं एवं व्यवस्थापकों से सानुरोध प्रार्थना है कि वे अपने–अपने गुरुकुलों के सभी छात्रों को महासम्मेलन में लाने की योजना बनायें। इस अवसर पर गुरुकुलों के आचार्यों का महासम्मेलन की ओर से अभिनन्दन भी किया जायेगा।

गुरुकुलों के छात्र एवं छात्राएँ महासम्मेलन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की तैयारी करें

गुरुकुल महासम्मेलन में प्रयास किया जायेगा कि गुरुकुलों के छात्र एवं छात्राओं को अपनी प्रतिभा का परिचय देने के लिए विभिन्न सम्मेलनों में अवसर दिया जायेगा। अतः आप सब अभी से वेद, दर्शन, अष्टाध्यायी आदि ग्रन्थों को कंठस्थ करने तथा भाषण एवं नाटक आदि तैयार करने में जुट जायें।

दान की अपील

महासम्मेलन की व्यवस्था के लिए विपुल धनराशि की आवश्यकता होगी। अतः सभी आर्य समाजों तथा दानवीरों से सानुरोध प्रार्थना है कि वे वैदिक संस्कृति एवं आर्ष शिक्षा प्रणाली को प्रतिष्ठित करने वाले इस महायज्ञ में अपनी आहुति अवश्य डालें। इसके लिए आप अपनी संस्था, आर्य समाज या व्यक्तिगत रूप से दान देकर तथा अपने प्रयत्न से दान संग्रह करके सम्मेलन हेतु भिजवाकर हमारा सहयोग करें। बूंद–बूंद से घड़ा भरता है अतः प्रत्येक आर्य एवं गुरुकुल शिक्षा प्रणाली के समर्थक को इस अवसर पर प्रयास करना चाहिए कि अधिक से अधिक लोगों के पास जाकर धन एकत्रित करें तथा उन्हें महासम्मेलन में आने का निमंत्रण दें।

6 से 8 जुलाई, 2018 को कोई अन्य कार्यक्रम न रखने की अपील

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर 6 से 8 जुलाई, 2018 को कोई भी आर्य समाज एवं संस्था अन्य कोई कार्यक्रम आयोजित न करके हरिद्वार पहुँचने की कोशिश करें। इससे आर्य समाज का संगठन अनुशासित एवं प्रभावशाली बनेगा। हम सभी के प्रयास एवं सामूहिक शक्ति प्रदर्शन से हम अपनी बात सरकार से मनवाने में अवश्य सफल होंगे।

परस्पर के मतभेद भुलाकर, आओ! गुरुकुल महासम्मेलन को सफल बनायें

हमारी यह हार्दिक इच्छा है कि अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन सभी प्रकार के मतभेद भुलाकर किया जाये। अतः आर्य समाज के समस्त नेताओं, अधिकारियों तथा वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से सानुरोध प्रार्थना है कि हम सभी इस कार्यक्रम के माध्यम से एक मंच पर एकत्रित होने का मन बनायें ताकि समस्त आर्य जनता उत्साह एवं उमंग से ओत–प्रोत हो जाये।

– स्वामी आर्यवेश, प्रधान, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली–2

गुरुकुलों के समस्त सम्माननीय आचार्यों से विनम्र निवेदन

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन, हरिद्वार में 6, 7, 8 जुलाई, 2018 को गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार, विद्यालय विभाग के प्रांगण में अत्यन्त उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया जा रहा है। इस महासम्मेलन में देश–विदेश के समस्त गुरुकुलों के आचार्य तथा ब्रह्मचारी/ब्रह्मचारिणियाँ भारी संख्या में भाग लेंगे तथा अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन भी करेंगे। इस अवसर पर देश–विदेश के समस्त गुरुकुलों के इतिहास की एक शानदार प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी जिसके लिए समस्त गुरुकुलों के विवरण की आवश्यकता पड़ेगी। विवरण में गुरुकुल का स्थान तथा पूर्ण पता, गुरुकुल की स्थापना का वर्ष, गुरुकुल के संस्थापक का नाम, ब्रह्मचारी तथा ब्रह्मचारिणियों की संख्या, गुरुकुल की आय का साधन, आचार्यों की संख्या, गुरुकुल के छात्रों की विशेष गतिविधियाँ, गुरुकुल द्वारा संचालित अन्य प्रकल्प तथा अन्य विशिष्ट जानकारी जो आप दे सकते हैं उसे अविलम्ब सार्वदेशिक सभा के कार्यालय ''महर्षि दयानन्द भवन'' 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002 में भिजवाने की कृपा करें। इसकी एक प्रति गुरुकुल प्रदर्शनी के संयोजक **आचार्य धनन्जय जी,** श्रीमद्दयानन्द आर्ष ज्योतिर्मठ, गुरुकुल, आर्य पुरम दूनवाटिका–2, पौंधा, देहरादून–248007 (उत्तराखण्ड), मो.:–9411106104 को भी भिजवाने की कृपा करें। जिससे प्रदर्शनी में आप द्वारा भेजे गये विवरण का उपयोग किया जा सके। आशा है आप अपने गुरुकुल का विवरण अविलम्ब भिजवाने की कृपा करेंगे।

– प्रो. विट्ठलराव आर्य, मंत्री, सार्वदेशिक सभा, मो.:–9849560691

प्रान्तीय युवा निर्माण शिविर की चित्रमय झाँकी

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् एवं युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में टिटौली में
पांच दिवसीय प्रान्तीय युवा निर्माण एवं योग शिविर का सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ भव्य समापन

आर्य ग्राम निर्माण अभियान पूरे देश में चलाया जायेगा

– स्वामी आर्यवेश

अन्तर्राष्ट्रीय गुरूकुल महासम्मेलन हरिद्वार में हरियाणा के एक हजार युवा कार्यकर्ता देंगे सेवाएं

– ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य

शिविर में 200 युवाओं का हुआ विधिवत यज्ञोपवीत संस्कार

(5 जून 2018) सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद व युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय शिविर आज स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ,टिटौली में सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गया। समापन अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने 200 युवाओं का यज्ञोपवीत संस्कार करवाया तथा उन्हें राष्ट्र भक्ति का संकल्प भी दिलवाया।

स्वामी आर्यवेश जी ने इस अवसर पर कहा कि आर्य समाज पूरे देश मे आर्य ग्राम निर्माण अभियान प्रारम्भ करेगा। उन्होंने कहा कि जो गावँ नशामुक्त, कन्या भ्रूण हत्या मुक्त, धार्मिक पाखंड मुक्त, जातिवाद व साम्प्रदायिकता मुक्त होगा उसको ही आर्य ग्राम की श्रेणी में लिया जाएगा। इसकी घोषणा 6, 7, व 8 जुलाई को हरिद्वार में आयोजित होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय गुरूकुल महासम्मेलन में की जाएगी।

इस अवसर पर स्वामी जी ने कहा कि आज देश का युवा पाश्चात्य संस्कृति के मोहपाश में बड़ी तेजी से फंसता जा रहा है। उसे अपनी स्वर्णिम प्राचीन संस्कृति का कोई ज्ञान नहीं है और न ही हमारी आज की शिक्षा बच्चों को इस सम्बन्ध में कुछ ज्ञान देती है। स्वामी जी ने कहा कि यह अत्यन्त चिन्ताजनक बात है। युवाओं को भारतीय संस्कृति की विशेषताओं और उसके सुखद परिणामों के बारे में देश में कोई भी संगठन या संस्था नहीं बता रही है। देश का मीडिया भी पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित कार्यक्रमों को ही दिखाता है और आग में घी डालने का कार्य कर रहा है। ऐसी विषम परिस्थिति में केवल आर्य समाज और उसके युवा संगठन ही इस दिशा में प्रयत्नशील हैं। यह युवा निर्माण शिविर भी उसी दिशा में एक सार्थक कदम है। इन शिविरों में युवाओं को जहाँ व्यायाम, योगासन तथा शरीर और आत्मा को पुष्ट करने के गुर सिखाये जाते हैं वहीं देशभक्ति, मातृ–पितृ भक्ति, धार्मिकता तथा ईमानदारी आदि गुणों का भी प्रतिस्फुटन किया जाता है। स्वामी जी ने इस महत्त्वपूर्ण कार्य में लगी पूरी टीम की प्रशस्ति की और आर्यजनों से इस प्रकार के शिविरों को सफल बनाने के लिए सहयोग की अपील भी की। स्वामी जी ने शिविर में उपस्थित सैकड़ों आर्यजनों से हरिद्वार में होने वाले 6, 7, 8 जुलाई, 2018 को अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में दल–बल सहित पधारने की भी अपील की।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद हरियाणा के प्रधान ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य ने कहा कि युवा निर्माण अभियान व परिषद के एक हजार कार्यकर्ता व्यवस्था सम्भालने के लिए हरिद्वार जाएंगे।

बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने बताया कि स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ, टिटौली में 6 जून को 500 कन्याओं का शिविर प्रारम्भ होगा, जिसका उद्घाटन समाज सेवी जगमोहन मित्तल करेंगे। नरेंद्र नांदल एडवोकेट, रणबीर खासा व इंस्पेक्टर अर्जुन सिंह विशेष अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे। शिविर 12 जून को सम्पन्न होगा।

समापन अवसर पर युवाओं ने व्यायाम प्रदर्शन भी किया। जिसमें जुडो कराटे, प्राणायाम, आसन, लाठी, सर्वांगसुन्दर व्यायाम, स्तूप निर्माण आदि शामिल रहे। व्यायाम प्रदर्शन ने आगन्तुकों को आश्चर्यचकित कर दिया।

प्रदेश के कार्यकारी प्रधान सज्जन राठी ने बताया कि शिविर में सर्वश्रेष्ठ शिविरार्थी के रूप में राजस्थान के भावेश, द्वितीय सोनीपत के मनु सिंह व रोहतक के संजीत कुमार तृतीय रहे। सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गए।

समापन समारोह में बहन पूनम आर्या, बहन प्रवेश आर्या, निशा आर्या, मुकेश आर्या, इंदु आर्या, बिरजानन्द एडवोकेट, आजाद सिंह बांगड़,शिवदत्त आर्य, चांदमल आर्य,राजबीर मलिक,राजबीर वशिष्ठ, योगेंद्र शास्त्री, धर्मेन्द्र पहलवान, प्रदीप कुमार, हरपाल आर्य, अशोक आर्य, अजीतपाल आर्य व सुरेंद्र पहलवान मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

इससे पूर्व 1 जून को स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम टिटौली में शिविर का विधिवत उद्घाटन किया गया। जिसमें ध्वजारोहण मर्चेन्ट नेवी के चीफ इंजीनियर सुनील देशवाल ने किया। जबकि शिविर का उद्घाटन समाज सेवी व राजनैतिक नेता बलराज कुंडू ने किया। उन्होंने कहा कि युवा ही किसी देश की रीढ़ होते हैं उनके कंधो पर ही देश का भार है।

युवा इंजिनियर सुनील देशवाल ने कहा कि पूरे देश में युवाओं के निर्माण का अभियान तेज गति से चलाना चाहिए।इसकी पहल आर्य समाज ने की है और उसको गंभीरता से सरकारों को भी लेना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य समाज के सर्वोच्च संगठन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज युवाओं के निर्माण की योजना ना तो किसी सरकार के पास है ना किसी धार्मिक संगठन के पास

शेष पृष्ठ 6 पर

पृष्ठ–5 का शेष

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् एवं युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में टिटौली में पांच दिवसीय प्रान्तीय युवा निर्माण एवं योग शिविर का सैकड़ों गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में हुआ भव्य समापन

है।इसलिए आर्य समाज वर्तमान समय में दिग्भ्रमित युवाओं को सही दिशा देने के लिए व उनमे राष्ट्र भक्ति व संस्कृति भक्ति पैदा करने के लिये कार्य कर रहा है। आगामी जून व जुलाई माह में शिविरों के माध्यम से युवाओं को युवा निर्माण अभियान से जोड़ा जायेगा। जिसमे लगभग 50 शिविर पूरे प्रान्त में आयोजित किये जायेंगे तथा 6,7,व8 जुलाई 2018 को हरिद्वार में अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन का आयोजन भी एक वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली सरकार के सामने रखने के लिए आयोजित किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन स्वामी रामदेव जी करेंगे।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि बहन प्रवेश आर्या ने कहा की नौजवान ही किसी देश की नीवं होते हैं। ओर नीव जितनी मजबूत होती है उस पर ईमारत भी उतनी ही बुलंद होती है। इसलिए युवाओं को बुराइयो से बचाना समाज की जिम्मेदारी है। समाज के नव निर्माण में नौजवान की भूमिका अहम् होती है। बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम आर्या ने कहा कि अच्छाई की शुरुआत स्वयं से करनी चाहिए।तभी समाज में बदलाव तेजी से होगा।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के प्रांतीय प्रधान ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य ने कहा कि पुरे देश में युवाओं को संस्कारित करने का अभियान तेज गति से आगे बढ़ाया जायेगा। गावँ गावँ में युवाओं के पांच पांच दिन के शिविर आयोजित किये जायेंगे। जिनके माध्यम से युवाओं को प्राचीन वैदिक संस्कृति, राष्ट्रभक्ति, सेवाभाव व नैतिक शिक्षा से ओतप्रोत किया जायेगा। उद्घाटन अवसर पर अतिथियों को स्वामी दयानंद का चित्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला पार्षद मनोज पहलवान फरमाना, रामकुमार आर्य, ऋषिराज शास्त्री, अजय पाल आर्य, प्रदीप कुमार,अजीतपाल आर्य, सोनू आर्य ,अजीतपाल आर्य,डॉ नारायण सिंह, राजेश, जिले सिंह, सुरेंद्र आर्य ,अमित आर्य आदि उपस्थित रहे। पांच दिन तक चलने वाले इस शिविर में योगासन, प्रणायाम, जुडो कराटे, लाठी चलाना, स्तूप बनाना आदि के अतिरिक्त व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण आर्य युवक परिषद के 10 शिक्षकों द्वारा दिया जायेगा। आर्य वीरदल राजस्थान के शिक्षक चांदमल आर्य अपने 10 प्रशिक्षकों की टीम के साथ शिविर में उपस्थित रहे। शिविर में संन्ध्या तथा यज्ञ आदि करने का भी प्रशिक्षण दिया जायेगा।

शिविर को 10 वर्गों में बांटा गया है और उनके नाम देश के महापुरुषों के नाम पर रखे गये हैं। सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद्, हरियाणा के महामंत्री श्री ऋषिराज शास्त्री ने बताया कि अनुशासन, प्रशिक्षण व अन्य क्रियाओं में प्रतिदिन प्रथम आने वाले वर्ग को सम्मानित किया जायेगा।

शिविर के दौरान समय–समय पर पधारे गणमान्य महानुभावों ने अपने उद्बोधन से युवाओं को सन्मार्ग पर चलने तथा समाज निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

नाड़ी वैद्य सत्यप्रकाश आर्य ने शिविर में आए युवाओं को सम्बोधित करते हुए बताया की असाध्य रोगों के इलाज सिर्फ आयुर्वेद में ही संभव है। अतः आयुर्वेद को अपनाकर अपने तन–मन को स्वस्थ बनाए व राष्ट्र को समृद्ध बनाए।

इस अवसर पर बहन पूनम आर्या ने कहा कि आर्य समाज की वैज्ञानिक विचारधारा को अपनाकर और वेद मार्ग पर चलने का अगर हर व्यक्ति संकल्प ले तो आज दुनिया सुखी हो सकती है। आर्य समाज ने नारी उत्थान, शिक्षा, गौ संरक्षण, मानवता कल्याण, नशामुक्ति और धर्म व संस्कारों की रक्षा एवं प्रसार के लिए समय–समय पर कार्यक्रम चलाए। जिनके फलस्वरूप समस्त मानव जाति को नई राह मिली। उन्होंने शिविर में उपस्थित शिविरार्थियों से अनुरोध किया कि वे आर्य समाज की विचारधारा का मजबूती से प्रचार करें।

बेटी बचाओ अभियान की संयोजक बहन प्रवेश आर्या ने कहा कि आर्य समाज का देश की आजादी और उसके पश्चात शिक्षा एवं संस्कारों का प्रसार, समाज को नया रास्ता दिखाने, जातिवाद खत्म करने, धैर्य और संयम से चलकर मानव निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान है। भगत सिंह का पूरा परिवार, रामप्रसाद बिस्मिल सरीखे क्रांतिकारी स्वामी दयानंद जी की प्रेरणा से आजादी के आंदोलन में कूदे।

शिविर में अमेरिका से आये विवेक मलिक ने युवाओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि आज भी अमेरिका जैसे आर्थिक रूप से सक्षम देश संस्कृति व मानवीय मूल्यों के लिए भारत की ओर देखते हैं। ऐसे में हमें प्राचीन वैदिक संस्कृति को ह्रदय से आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने युवाओं के सवालों का जवाब भी दिया।

कबड्डी के विश्व कप विजेता टीम के मुख्य खिलाड़ी रहे जगबीर सिंह ने युवाओं को कहा कि खेल सिर्फ मनोरंजन के लिए नही बल्कि एक प्रोफेशन के तौर पर आप अपनाएं।

जालौर से पधारे राजस्थान शिक्षक संघ के महामन्त्री शिवदत्त आर्य ने कहा कि आज नशा बड़ी तेजी से समाज मे फैल रहा है, जिसके कारण समाज का ताना बाना टूट रहा है। नशे के कारण जहां घर मे झगड़े होते हैं वहीं समाज मे आये दिन छेड़छाड़, बलात्कार आदि की घटनाओं से लेकर सड़क दुर्घटनाओं तक मे नशा की सबसे ज्यादा भूमिका है। इसलिए देश के राजनेताओं को नशे पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के लिए आगे आना चाहिए। युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर नशे से बचाने के लिए आर्य समाज की युवा विंग आर्य युवक परिषद व आर्य वीर दल अपने कार्यक्रम और तेज करेगी।

अलीगढ़ गौमत गुरुकुल के संचालक स्वामी श्रद्धानंद ने कहा कि आज के युवा संस्कार विहीन हो रहे हैं। उनको संभालने की आवश्यकता है। इसलिए जहां माता पिता को जिम्मेदारी लेनी चाहिए वहीं शिक्षकों को भी शिक्षा के साथ संस्कार देने पर बल देना चाहिये। आज राष्ट्र भक्त युवाओं की देश को जरूरत है।इस दिशा में समाज को भी सार्थक पहल करनी चाहिए।

मुख्य रूप से हरियाणा परिषद के प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुमार, राजबीर वशिष्ठ, हरपाल आर्य, अशोक आर्य, अजीतपाल, और सुरेंद्र आर्य, सोनू आर्य, अमित आर्य, उत्तम आर्य, गुलाब सिंह, हरपाल आर्य, सुनील शास्त्री, राम कुमार आर्य, ऋषिपाल शास्त्री आदि ने शिविर को सफलता तक पहुंचाने में अथक परिश्रम किया।

शिविर में आये अतिथियों को सम्मानित किया गया तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये। समय–समय पर शिविरार्थियों ने अपने व्यायाम प्रदर्शन से आगन्तुकों का मन मोह लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन, हरिद्वार के लिए अभी से अपना आरक्षण सुरक्षित करवा लें

दिल्ली से हरिद्वार जाने वाली ट्रेनों का विवरण निम्न प्रकार है :–

1. Dehradun EXP (19019)
(NZM to HW)
Time : 5.45 - 14.40

2. Dehradun Shtbdi (12017)
(NDLS to HW)
Time : 6.45 - 11.22

3. Haridwar EXP (22917)
(NZM to HW)
Time : 11.00 - 15.50

4. Ujjaini Express (14309)
(NZM to HW)
Time : 11.30 - 17.20

5. IND DDN Express (14317)
(NZM to HW)
Time : 11.30 - 17.20

6. Dehradun EXP (22659)
(NZM to HW)
Time : 12.55 - 18.45

7. Dehradun EXP (12687)
(NZM to HW)
Time : 21.10 - 03.05

8. UDZ HW EXP (19609)
(DLI to HW)
Time : 3.40 - 10.25

9. LTT HW AC SUP (12171)
(NZM to HW)
Time : 7.10 - 13.15

10. Uttaranchal EXP (19565)
(NDLS to HW)
Time : 11.00 - 16.40

11. Utkal Express (18477)
(NZM to HW)
Time : 15.00 - 20.55

12. DDN Janshtbdi (12055)
(NDLS to HW)
Time : 15.20 - 19.50

13. Mussoorie EXP (14041)
(DLI to HW)
Time : 22.15 - 06.05

14. Nanda Devi EXP (12205)
(NDLS to HW)
Time : 23.50 - 3.52

15. Haridwar EXP (12911)
(NZM to HW)
Time : 11.00 - 16.40

नोट : (NZM) का अर्थ हजरत निजामुद्दीन, (NDLS) का अर्थ नई दिल्ली, (DLI) का अर्थ पुरानी दिल्ली, (HW) का अर्थ हरिद्वार।

वैचारिक क्रान्ति के लिए सत्यार्थ प्रकाश पढ़ें।

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में पारित कराये जाने वाले प्रस्ताव के मुख्य अंश

1. महर्षि दयानन्द सरस्वती एवं ऋषि–मुनियों की परम्परा में आर्ष शिक्षा पद्धति भारतीय जीवनशैली की मुख्यधारा रही है। इस पद्धति ने मनुष्य को मनुष्य से जोड़ने, समाज और राष्ट्र से जोड़ने तथा उसके अस्तित्व को प्रकृति के साथ जोड़कर जीने का विधान बनाया है। भारत और पूरे विश्व के देश जिस विकास के मॉडल को लेकर कार्य कर रहे हैं वह मानव अस्तित्व के साथ पशु–पक्षी, कीट–पतंग आदि के अस्तित्व को भी खतरे में डाल रहे है। यहाँ तक कि प्रकृति से सम्बन्धित स्रोतों को भी सम्पूर्ण विनाश की तरफ ले जाते हुए विश्व ही नहीं ब्रह्माण्ड में भी खतरा पैदा कर रहे हैं। अतः विकास की अवधारणा को मानव, पशु–पक्षी और प्रकृति के अस्तित्व से जोड़ते हुए आगे बढ़ाने की जरूरत है। अस्तित्व की भावना को शिक्षा पद्धति के द्वारा ही लागू किया जा सकता है। शिक्षा की मूल भावना जहाँ व्यक्ति निमार्ण की हो वहीं पर समष्टि निर्माण व न्याय की हो। समष्टि निर्माण व्यक्ति की उदारवादी विचारधारा से सम्बन्ध रखती है। अतः वेद की यह उक्ति कि – **यत्र विश्वम् भवत्येकनीडम्** की भावना अर्थात् हम सब एक घोसले में रहने वाले प्राणी हैं। यही वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को व्यक्त करती है। इस भावना से जुड़ी हुई आर्ष शिक्षा प्रणाली जहाँ अपनी पुरानी संस्कृति और संस्कृत साहित्य की धरोहर की रक्षा करती है वहीं पर स्व व स्वाभिमान की भावना को भी जगाती है तथा विश्व को एक समुदाय के रूप में आगे बढ़ाने का संस्कार देती है। यह संस्कार ही परोपकार, प्रेम, न्याय, आत्मीयता की मूल भावना से जुड़ी आध्यात्मिकता की कड़ी है। अतः इस आध्यामिकता की मूल अवधारणा से जुड़कर विकास की अवधारणा को सुनिश्चित करने की शिक्षा पद्धति ही वैकल्पिक शिक्षा पद्धति हो सकती है। अतः प्रस्तावित शिक्षा समतामूलक, आधुनिक विषयों को समाहित करती हुई सर्वतोमुखी तथा निःशुल्क होनी चाहिए। अतः इस पर चिन्तन कर सरकारों को, समाज को प्रेरित करने का कार्य गुरुकुल महासम्मेलन के द्वारा होना चाहिए।

2. आर्य समाज व आर्य समाज की विचारधारा या स्वामी दयानन्द सरस्वती और ऋषि–मुनियों की परम्परा से जुड़कर जितने भी गुरुकुल भारत या भारत के बाहर संचालित हो रहे हैं उन सबको एक जगह न केवल आने की जरूरत है, बल्कि एक आर्ष पद्धति के पाठ्यक्रम को भी बनाकर सरकारी संस्कृत शिक्षा बोर्डों से मान्यता प्राप्त करने की भी जरूरत है। इस ओर कुछ काम हुआ है पर अभी प्राचीन शिक्षा के पाठ्यक्रम को विशेष रूप से लागू करवाने के लिए तथा सभी प्रान्तों में काम कर रहे गुरुकुलों को मान्यता दिलवाने के लिए केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड के गठन पर भी जोर दिया जाना चाहिए। इसके सम्भव होने पर गुरुकुलों में पढ़े–लिखे छात्र अपनी प्रतिभाओं को सीमित दायरे से विस्तृत दायरे में ले जाने के काबिल हो जाते हैं और विश्व प्रतिभाओं के सामने अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने तथा अपने आपको समाजोपयोगी बनाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के संदर्भ में यह प्रस्ताव इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि दिन–प्रतिदिन हो रहे नैतिक मूल्यों के ह्रास के कारण समाज टूटता हुआ नजर आ रहा है और भौतिकवादी, भोगवादी बनते जा रहा है। अतः अध्यात्म की मूल अवधारणा को व्यक्ति से लेकर समाज तक मजबूत करने के लिए सरकारों को नीतिगत फैसले लेने के लिए बाध्य किया जाये। इस कार्य में सभी गुरुकुल इकट्ठे होकर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

3. भारतीय शिक्षा पद्धति में, शिक्षा का दायित्व समाज और राजाओं पर रहा है। आज के इस आधुनिक तथा आर्थिक दुनिया में मुख्य रूप से यह दायित्व सरकारों पर है। आज तक गुरुकुलों की व्यवस्था सामाजिक दायित्व को समझने वाले दान–दाताओं के भरोसे चलती रही है। और पिछले 100 वर्षों से इस दायित्व को दानी महानुभाव और आर्य समाज के प्रबुद्ध महानुभावों और आचार्यों के माध्यम से चलाते हुए एक अद्भुत इतिहास की रचना की है और 100–125 वर्षों के इतिहास में कई महात्माओं ने, विद्वानों ने अपना सब कुछ त्यागकर, सर्वात्मना समर्पित होकर प्राचीन ऋषि–मुनियों की परम्परा को पुनर्स्थापित करने के लिए कार्य किया है और कर रहे हैं। पिछले 100 साल के इतिहास में गुरुकुलों ने अनेकों दिग्गज विद्वानों को भी पैदा किया है। महर्षि दयानन्द सरस्वती के निर्देशानुसार आर्ष शिक्षा प्रणाली को न केवल स्थापित किया बल्कि विश्व में संस्कृत, व्याकरण और साहित्य में, वेद, दर्शन और उपनिषद् के क्षेत्र में आर्य विद्वानों का कोई भी सानी नहीं रहा है और न है। ऐसी अभूतपूर्व शिक्षा प्रणाली को चलाकर आर्य समाज ने या आर्य समाज के माध्यम से विद्वानों ने जो कार्य किया है वह ऐतिहासिक धरोहर रही है। **अतः आवश्यक है कि ऐसे गुरुकुलों को तथा ऐसी शिक्षा प्रणाली को सुरक्षित रखने और आगे चलाये रखने के लिए सरकारों के द्वारा गुरुकुलों को आर्थिक रूप से मदद दिलवाकर उसको मजबूती प्रदान की जाये।**

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर

साहित्य तथा अन्य विक्रेताओं के लिए

स्टालों का आरक्षण प्रारम्भ

पहले आओ – पहले पाओ

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन के अवसर पर आयोजित पुस्तक मेले के लिए स्टालों का आरक्षण प्रारम्भ हो गया है। इस अवसर पर देश–विदेश के हजारों आर्यजन तथा गणमान्य व्यक्ति पधारेंगे जिससे पुस्तक विक्रेता भाईयों को वैदिक साहित्य के प्रचार–प्रसार का सुनहरा अवसर प्राप्त होगा। अन्य सामग्री विक्रेताओं के लिए भी स्टाल उपलब्ध है। 15X15 के स्टाल बनाये जायेंगे जिनका शुल्क मात्र 3 हजार रुपये रखा गया है। शुल्क राशि 'सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा' के नाम से चैक/ड्राफ्ट द्वारा सार्वदेशिक सभा कार्यालय में भेजें। असुविधा से बचने के लिए अग्रिम राशि भेजकर अपने स्टालों को अविलम्ब सुरक्षित करा लें। सभा के उपमंत्री श्री मधुर प्रकाश जी से मो.:–9810431857 पर शीघ्रातिशीघ्र सम्पर्क करें।

सार्वदेशिक सभा द्वारा चारों दर्शनों एवं संस्कार विधि का पुनर्प्रकाशन

भाष्यकार तर्क शिरोमणि – स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती

1. वेदान्त दर्शन	– पृष्ठ 232	–	मूल्य 100 रुपये
2. वैशेषिक दर्शन	– पृष्ठ 248	–	मूल्य 100 रुपये
3. न्याय दर्शनम्	– पृष्ठ 240	–	मूल्य 100 रुपये
4. सांख्य दर्शन	– पृष्ठ 156	–	मूल्य 80 रुपये
5. संस्कार विधि	– पृष्ठ 278	–	मूल्य 90 रुपये

बढ़िया कागज, सुन्दर प्रिंटिंग व आकर्षक टाइटल के साथ 25 प्रतिशत छूट पर सभा कार्यालय में उपलब्ध है।

प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित

चारो वेदों का सेट

भारी छूट पर उपलब्ध

लागत मूल्य 4100/– रुपये

25 प्रतिशत छूट पर दिया जायेगा

डाक से मंगाने पर एक वेद सैट का डाक व्यय 200/– रुपये अतिरिक्त देना होगा।

प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/18-20
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2018-20]

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन

गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार

शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार 6, 7, 8 जुलाई, 2018

सम्मेलन सम्बन्धित जानकारी के लिए सम्पर्क करें

9013 783 101, 9849560691, 93 54840454, 701525971, 981043 1857

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

हरिद्वार चलो!

हरिद्वार चलो!!

गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार में

6 जुलाई, 2018 के दिन सायं 4.00 बजे

योगगुरु स्वामी रामदेव जी

द्वारा

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन का उद्घाटन

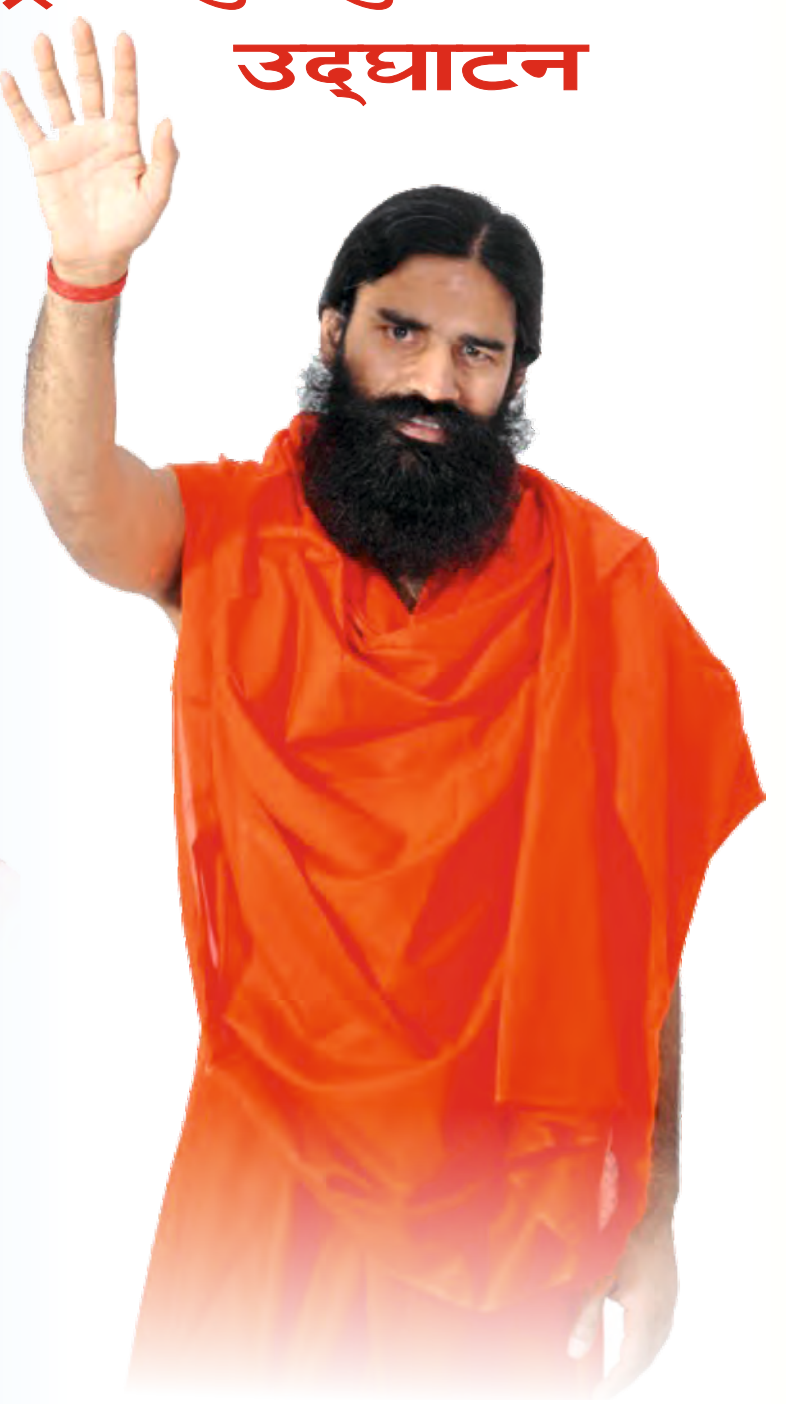

स्वामी यतीश्वरानन्द
स्वागताध्यक्ष गुरुकुल महासम्मेलन

स्वामी विवेकानन्द सरस्वती

स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती

स्वामी धर्मानन्द सरस्वती

स्वामी आर्यवेश
सभा प्रधान

स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती
अध्यक्ष गुरुकुल महासम्मेलन

पं. माया प्रकाश त्यागी
कोषाध्यक्ष

स्वामी यतीश्वरानन्द
स्वागताध्यक्ष गुरुकुल सम्मेलन

प्रो. विट्ठलराव आर्य
सभा मंत्री/संयोजक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

'महर्षि दयानन्द भवन' 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

दूरभाष : 011–23274771, 23260985, 9013783101, 9849560691, 9354840454, 8218863689

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।